पत्र सूचना शाखा

(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इण्डिया द्वारा आयोजित सी0एस0आई0–एन0आई0सी0–2026 के उद्घाटन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए

स्वस्थ नागरिक से स्वस्थ समाज का निर्माण सम्भव, स्वस्थ समाज ही सशक्त भारत की नींव रखता : मुख्यमंत्री

सशक्त भारत के निर्माण और विकसित भारत की परिकल्पना को लेकर प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ा

विकसित भारत की संकल्पना में प्रत्येक नागरिक और चिकित्सक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकता

अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी उ0प्र0 में चिकित्सा शिक्षा की बेहतरीन यूनिवर्सिटी

नया भारत आज दुनिया में नई प्रतिस्पर्धा के साथ स्वयं को स्थापित कर रहा, उ0प्र0 देश की अर्थव्यवस्था के ग्रोथ इंजन के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा

हमें बचाव पर विशेष ध्यान देते हुये जागरूकता के उस अभियान को आगे बढ़ाना चाहिए, जो व्यक्ति को, स्वस्थ दिनचर्या के लिये प्रेरित कर सके

आज दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना आयुष्मान भारत के अन्तर्गत देश के 55 से 60 करोड़ लोगों को आच्छादित किया जा चुका

प्रदेश में वर्ष 2025 में मुख्यमंत्री राहत कोष से जरूरतमंदों को उपचार के लिये लगभग 1,400 करोड़ रुपये को उपलब्ध कराये गये

प्रदेश में 81 मेडिकल कॉलेज तथा 02 एम्स का सफलतापूर्वक संचालन, प्रत्येक जनपद में आई0सी0यू0 का निर्माण, पुराने मेडिकल कॉलेजों की सुविधाओं का विस्तार किया गया

लखनऊ में एस0जी0पी0जी0आई0, के0जी0एम0यू0 तथा डॉ0 राम मनोहर लोहिया आदि चिकित्सा संस्थानों के माध्यम से टेलीकन्सलटेशन के साथ–साथ वर्चुअल आई0सी0यू0 की व्यवस्था प्रदान की जा रही

प्रदेश सरकार सस्ते चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने के लिये प्रदेश में मेडिकल डिवाइस पार्क का निर्माण कर रही, सस्ती और अच्छी दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये फार्मा पार्क निर्माण की कार्यवाही तेजी से चल रही

लखनऊ : 10 अप्रैल, 2026

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि स्वस्थ नागरिक से स्वस्थ समाज का निर्माण होता है। स्वस्थ समाज ही सशक्त भारत की नींव रखता है। सशक्त भारत के निर्माण और विकसित भारत की परिकल्पना को लेकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ा है। उन्होंने हम सभी को टाइम लाइन दी है कि देश जब अपनी आजादी के 100 वर्ष पूर्ण कर रहा होगा, तब हमें विकसित व सशक्त भारत चाहिए। विकसित भारत की संकल्पना में प्रत्येक नागरिक और चिकित्सक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकता है।

मुख्यमंत्री जी आज यहां अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय में कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इण्डिया द्वारा आयोजित सी0एस0आई0–एन0आई0सी0–2026 के उद्घाटन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम को सम्बोधित करते

हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा की बेहतरीन यूनिवर्सिटी है। इसमें प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों को सम्बद्ध किया गया है। इस विश्वविद्यालय का एक्ट मैंने पारित कराया तथा इसके निर्माण के कार्यक्रम भी मेरे द्वारा तैयार किये गये, लेकिन विश्वविद्यालय में मैं पहली बार आया हूं। इस विश्वविद्यालय का मैंने वर्चुअल उद्घाटन किया था।

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि इस कॉन्फ्रेंस के लिये उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित इस विश्वविद्यालय का चयन किया गया है। इस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मुझे आप सभी से संवाद करने तथा इस भव्य सभागार को देखने का अवसर प्राप्त हुआ है। यह सभागार श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के विराट व्यक्तित्व के अनुरूप बना है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नया भारत आज दुनिया में नई प्रतिस्पर्धा के साथ स्वयं को स्थापित कर रहा है। उत्तर प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था के ग्रोथ इंजन के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। यह कॉन्फ्रेंस उसी भूमिका का हिस्सा है। गैर–संचारी रोग हम सभी के लिये चिन्ता का विषय है। आप सभी ने गैर–संचारी रोगों के विषय में चर्चा को आगे बढ़ाया है। यहां जिन मुद्दों पर पेपर्स रखे जाएंगे तथा चर्चा की जाएगी, उससे कॉमन मैन के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण निष्कर्ष प्राप्त होंगे। भारत में प्राचीनकाल से ही समय पर जगना, सोना, सन्तुलित मात्रा में पौष्टिक आहार लेना हमारी दिनचर्या का हिस्सा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने पारम्परिक चिकित्सा को आगे बढ़ाने के साथ ही, 21 जून की तिथि को अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता दिलायी। पूरी दुनिया इस अभियान से जुड़ रही है। प्रत्येक व्यक्ति स्मार्ट फोन पर प्रतिदिन 04 से 06 घण्टे व्यतीत कर रहा है। यही बीमारियों की जड़ है। तेजी से डायबिटीज का विस्तार होना हम सभी के लिये चुनौतीपूर्ण है। जागरूकता ही इन बीमारियों से बचाव का माध्यम है। सरकार अपने स्तर पर कैम्पेन चलाती रहती है, लेकिन डॉक्टरों के माध्यम से लोगों को जागरूक करना अत्यन्त प्रभावी हो सकता है, क्योंकि लोग डॉक्टरों की बातों को गम्भीरता से लेते हैं। आपके माध्यम से समय–समय पर इन्टरव्यू आयोजित किये जाएं। हैण्डबिल प्रकाशित किये जायें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि समय के साथ दिनचर्या व लाइफस्टाइल बदलने के परिणाम तथा चुनौतियां हम सभी के सामने हैं। चुनौतियों के दो पक्ष स्पष्टतः दिखायी देते हैं, जिनमें एक पक्ष बचाव और दूसरा पक्ष उपचार है। आप सभी चिकित्सा के क्षेत्र से हैं। इसलिये आपको दूसरा पक्ष पसन्द होगा। यदि इन दोनों पक्षों पर विचार कर आगे बढ़ेंगे, तो अच्छे परिणाम अवश्य प्राप्त होंगे। वह परिणाम इस फील्ड के लिए उपयोगी साबित होंगे। आपको अपनी रिसर्च व इनोवेशन आगे बढ़ाने के लिये इस फील्ड में रुचि है। आप अपने प्रोफेशन में तभी आगे बढ़ पाएंगे, जब इस क्षेत्र में कुछ नयापन करके दिखाएंगे। मेरा मानना है कि हमें बचाव पर विशेष ध्यान देते हुये जागरूकता के उस अभियान को आगे बढ़ाना चाहिए, जो व्यक्ति को, स्वस्थ दिनचर्या के लिये प्रेरित कर सके। यह कार्य हमें आने वाली चुनौतियों के लिये तैयार करेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गैर–संचारी रोगों का जिस तेजी से विस्तार हुआ है तथा प्रत्येक वर्ग इन बीमारियों की चपेट में आ रहा है, यह सभी के लिये चिन्ता का विषय होना चाहिए। आज से 10 वर्ष पूर्व यदि किसी परिवार में कोई व्यक्ति किसी बीमारी की चपेट में आता था, तो पूरा परिवार बीमारी पर होने वाले खर्च को सोचकर परेशान हो जाता था। संस्थानों तथा विशेषज्ञों का अभाव था। आज दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना आयुष्मान भारत के अन्तर्गत देश के 55 से 60 करोड़ लोगों को आच्छादित किया जा चुका है। इसके

अन्तर्गत प्रति वर्ष 05 लाख रुपये प्रति परिवार स्वास्थ्य सुविधा का लाभ प्राप्त हो रहा है। दुनिया में इतने व्यापक पैमाने पर यह सुविधा कहीं नहीं है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2025 में मुख्यमंत्री राहत कोष से जरूरतमंदों को उपचार के लिये लगभग 1,400 करोड़ रुपये को उपलब्ध कराये गये हैं। प्रदेश में जो लोग आयुष्मान भारत योजना से आच्छादित नहीं थे, उन्हें मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करायी गयी है। अभी हाल ही में सभी प्रकार के शिक्षकों, आंगनवाड़ी, आशा वर्कर, ए0एन0एम0, रसोईया आदि को भी इस योजना से कवर किया गया है। परिश्रम करने से हृदय रोग का खतरा दूर रहता है। इसके बावजूद यदि हृदय रोग होता है, तो आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत एन्जियोग्राफी तथा एन्जियोप्लास्टी करायी जा सकती है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में 25 करोड़ आबादी निवास करती है। वर्तमान में प्रदेश में 81 मेडिकल कॉलेज तथा 02 एम्स का संचालन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। आज से 10 वर्ष पूर्व प्रदेश में सरकार के स्तर पर केवल 17 मेडिकल कॉलेज संचालित थे। प्रत्येक जनपद में आई0सी0यू0 का निर्माण किया गया है। अनेक स्थानों पर कैथ लैब का निर्माण प्रारम्भ किया गया है। निजी क्षेत्र के अन्तर्गत सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का निर्माण हो रहा है। पुराने मेडिकल कॉलेजों की सुविधाओं का विस्तार किया गया है। लखनऊ में एस0जी0पी0जी0आई0, के0जी0एम0यू0 तथा डॉ0 राम मनोहर लोहिया आदि चिकित्सा संस्थानों के माध्यम से टेलीकन्सलटेशन के साथ–साथ वर्चुअल आई0सी0यू0 की व्यवस्था प्रदान की जा रही है। अब राज्य के अन्य चिकित्सा संस्थानों व मेडिकल कॉलेजों को भी इस सुविधा से जोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार सस्ते चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने के लिये प्रदेश में मेडिकल डिवाइस पार्क का निर्माण कर रही है। सस्ती और अच्छी दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये फार्मा पार्क निर्माण की कार्यवाही तेजी से चल रही है। यह वह पक्ष है, जो उपचार को सस्ता व सुलभ बना रहा है, लेकिन लाइफस्टाइल में परिवर्तन तथा व्यापक जनजागरूकता अभियान के बिना इस चुनौती का सामना करना अत्यन्त कठिन है। के0जी0एम0यू0 की ओ0पी0डी0 में प्रतिदिन 12 से 14 हजार तथा एस0जी0पी0जी0आई0 की ओ0पी0डी0 में 10 से 12 हजार मरीज देखे जाते हैं। एम्स, दिल्ली में प्रतिदिन 16 से 17 हजार मरीज आते हैं। इतने अधिक मरीजों को क्वालिटी समय देना डॉक्टरों के लिये चुनौती का विषय है। यह चुनौती भविष्य में और अधिक बढ़ने वाली है, क्योंकि लोगों की दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो चुकी है।

कार्यक्रम को कॉर्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इण्डिया के प्रेसीडेंट डॉ0 धीमान कहाली, ऑनरेरी जनरल सेक्रेटरी डॉ0 डी0पी0 सिन्हा, साइंटिफिक चेयरमैन सी0एस0आई0–एन0आई0सी0 डॉ0 एच0के0 बाली, रिसेप्शन कमेटी के चेयरमैन डॉ0 ऋषि सेठी तथा ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ0 शरद चन्द्र ने भी सम्बोधित किया।

कार्यक्रम में हृदय रोग से सम्बन्धित उपकरणों की प्रदर्शनी भी लगायी गयी।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा श्री अमित कुमार घोष, कॉर्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इण्डिया के प्रेसीडेंट–इलेक्ट डॉ0 सत्येन्द्र तिवारी, अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी के कुलपति मेजर जनरल अजय देवगन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

————————